भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी
तृतीय दीक्षांत समारोह

संपर्क
रजिस्ट्रार, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी
कमांद कैम्पस, कमांद - 175005, जिला मंडी
हिमाचल प्रदेश, भारत
फोन: + 91-1905-267-015
वेबसाइट : www.iitmandi.ac.in
दीक्षांत समारोह वेबसाइट:
http://iitmandi.ac.in/academics/convocation/3rdconvo.html

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, जो छह वर्ष पुरानी है, वह ३१ अक्टूबर २०१५ को अपना तृतीय दीक्षांत समारोह मना रही हैं | इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्राध्यापक एन सथ्यमूर्ति, निदेशक, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, मोहाली होंगे | इस समारोह के विशिष्ट अतिथि होंगे: श्री एम नटराजन, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आई आई टी मंडी; प्राध्यापक, टिमोथी ए गोंजाल्विस, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी | पिछले छह वर्षों के दौरान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी ने भारत और दुनिया में शिक्षण और अनुसंधान दोनों में उत्कृष्टता के एक केन्द्र के रूप में उभरना शुरू कर दिया है|

छात्रों के स्नातक बैच

वर्तमान दीक्षांत समारोह में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी 3 पीएच.डी. , 7 एम एस (अनुसंधान) और 105 बी टेक छात्रों को स्नातक घोषित करेगा | वर्तमान में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी में 752 छात्र हैं जिनमें 487 छात्र चार विभिन्न बीटेक कार्यक्रम में नामांकित हैं | संस्थान मे ३५ प्रतिशत स्नातकोत्तर और ६५ प्रतिशत पूर्व-स्नातक हैं|

छात्र पदक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी मे अनेक पूर्व-स्नातक छात्रों को शैक्षिक और समग्र उत्कृष्टता के लिए पदक और पुरस्कार दिए जायेंगे | प्रुस्कृत किए जाने वाले छात्रों के नाम:

- श्री सचिन एस भट्ट: कंप्यूटर इंजीनियरिंग में पढ़ाई में समग्र उत्कृष्टता और शीर्ष प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति स्वर्ण पदक और संस्थान रजत पदक |
- श्री प्रशांत प्रजापति: शिक्षाविदों और पाठ्येतर गतिविधियों के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए निदेशक स्वर्ण पदक |
- श्री प्रशांत प्रजापति: जर्मन के लिए बालसुन्दरम बंदोबस्ती पुरस्कार।
- श्री इंगले स्वप्निल सुशील: मैकेनिकल इंजीनियरिंग में शीर्ष प्रदर्शन के लिए संस्थान रजत पदक।
- श्रीमती निधि मनोज मखीजानी, बी.टेक. की छात्राओं के बीच सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए रानी गोंजाल्विस मेमोरियल पदक।

अध्यापक उपलब्धि

असाधारण छात्र असाधारण प्राध्यापक के तहत विकास पाते है । हमारे **प्रोफेसरों** को बहुत से पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए है| पिछले 6 महीनों में उल्लेखनीय उपलब्धियों में से कुछ में शामिल हैं:

1. डॉ शुबह्जीत रॉय चौधरी अखिल आईआईटी- आईआईएससी परियोजना छाप के स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र, 2015 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तहत पहनने योग्य उपकरणों, एम्बेडेड सिस्टम और कम्प्यूटर एडेड निदान विषय के समन्वयक के रूप में नामित किया गए थे|

2. डॉ रमना ठाकुर को 2015 में ब्रिटेन, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के लिए इरास्मस मुंडुस कार्यक्रम के तहत 6 महीने के रिसर्च फैलोशिप मिली है।

3. डॉ देविका सेठी ने 2015 जून में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), नई दिल्ली में "बान सूत्र: गैर-भारतीय लेखक और औपनिवेशिक राज्य 1920-30 के दशक में" शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

4. डॉ वरुण दत्त, पल्ल्वी अग्रवाल, आन्तरा ग्रोवर, सौम्या सिंह और जाहिद मकबूल ने जून 2015, लंदन, ब्रिटेन में साइबर स्थितिजन्य जागरूकता पर आ ई ई ई (IEEE) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, डाटा एनालिटिक्स और मूल्यांकन (2015 साइबर सए), में बेस्ट पेपर अवार्ड जीता।

5. डॉ वरुण दत्त संज्ञानात्मक विज्ञान में फ्रंटियर्स पत्रिका की समीक्षा संपादक के रूप में जुलाई, 2015, में नामित किये गए थे।

नए शैक्षणिक कार्यक्रम

2014 में आईआईटी मंडी ने दो परास्नातक कार्यक्रमों के शुरू करने से शैक्षणिक कार्यक्रमों का विस्तार किया था- ऊर्जा सामग्री में एम.टेक. और रसायन विज्ञान में एम.एस.सी.। आईआईटी मंडी में 8 नए सहायक प्रोफेसर सदस्यों के एक समूह के रूप में शामिल होने के साथ बायो एक्स (BioX) क्षेत्रों में विस्तार किया गया है। इस साल, संस्थान ने भौतिकी में एक एकीकृत एम.एस.सी. - पी.एच.डी. कार्यक्रम शुरू किया है। इसके अलावा, आईआईटी मंडी ने पहाड़ी क्षेत्रों के लिए बुनियादी ढांचा और सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अनुसंधान शुरू कर दिया है, और 25 स्नातक छात्रों और चार शिक्षकों के अगस्त 2015 में शामिल होने के साथ सिविल इंजीनियरिंग में एक बी.टेक. कार्यक्रम को भी शुरू कर दिया है।

प्रकाशन और परियोजनाएं

आईआईटी मंडी इस वर्तमान शैक्षणिक वर्ष (2015) तक 451 अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन कर चूका है। 2014 में हमारे प्रोफेसर औसतन २.२३ कागजात, संदर्भित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित कर चुके हैं । यह अनुपात अन्य सभी आईआईटी से तुलनीय है ।

यहाँ तक कि बी.टेक. के छात्रों को अपनी सैद्धांतिक ज्ञान को डाल कर अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है- 2014 में, डिजाइन व्यावहारिक (डीपी) में स्नातक छात्रों के बैच से कई सफल परियोजनाएं देखने को मिलीं । इनमें से कुछ परियोजनाओं में शामिल थे-कम लागत का 3-डी प्रिंटर, बुद्धिमान पार्किंग सिस्टम, और बड़ा 3-डी एलईडी प्रदर्शन ।

आईआईटी मंडी ने जनवरी, 2015 में आईआईटी खड़गपुर में आयोजित इंटर आईआईटी टेक मीट में कई संस्थानों को हराकर समग्र मिलान में तीसरा स्थान प्राप्त किया। आईआईटी मंडी जनवरी, 2016 में अपने कमांड परिसर में चौथे इंटर आईआईटी टेक मीट की मेजबानी करेगा।

स्थानन

प्रदीप सीरवी GATE परीक्षा में 1.26 लाख उम्मीदवारों के साथ में राष्ट्रव्यापी रूप से शीर्ष पर रहे। कई छात्रों ने उच्च अध्ययन के लिए विदेशी विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान एवं प्रबंधन संस्थानों को चुना। स्नातक B. Tech वर्ग के शुभम अजमेरा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी के पहले विदेश में नौकरी पाने वाले छात्र बने जिन्हे गूगल, कैलिफोर्निया से नौकरी का प्रस्ताव मिला। क्षितिज सारस्वत आईआईटी मंडी के पहले छात्र बने जिनका चयन भारतीय वायु सेना मे हुआ। भारतीय

प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी के छात्रों का तीसरा स्थानन 2015 में हुआ। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी के सुदूरवर्ती होने पर भी कई कंपनियाँ यहाँ आईं और हमारे छात्रों को चयनित किया। इन कंपनियों में अल्टेयर इंजीनियरिंग, बेंचमार्क, सी ए डी (CAD) स्टूडियो, अमेज़न, सिस्को, कॉग्निजेंट, डी आर डी ओ (DRDO), फिनिसर, ह प छ ल(HPCL), इनफ़ोसिस , माइक्रोसॉफ्ट , नुक्लेउस सॉफ्टवेयर , सैमसंग , सिग्मोिड़ एनालिटिक्स , तस्कर , एक्लैर्स , आई पी (IP) इन्फुसीओं , खोसला लैब्स , एम्बर ग्रुप , एल एंड टी, टी सी इस, टाटा मोटर्स शामिल थीं। सभी छात्रों में से 90%छात्रों का स्थानन हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग

आईआईटी मंडी के प्रोफेसर और छात्रों को कर रहे हैं आज के संचालन के लिए विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी माहौल, और दुनिया भर में विश्वविद्यालयों और संस्थानों के साथ सहयोग करने के लिए कई प्रयास करने की कोशिश की जा रही है। अप्रैल और अगस्त 2014 के बीच आईआईटी मंडी मैं 2 छात्रों HES-SO, Haute école du paysage, d'ingénierie et d'architecture de Genève (HEPIA) से आये। इसके अलावा, 2014 में आईआईटी मंडी के एक छात्र था निम्न संस्थानों से प्रत्येक: डरहम, ब्रिटेन के विश्वविद्यालय; बेनिन, नाइजीरिया के विश्वविद्यालय; जॉर्ज से अगस्त यूनिवर्सिटैट गौटिंगेन, जर्मनी; और, प्रौद्योगिकी, थाईलैंड के एशियन इंस्टीट्यूट । हाल ही में, 2015 में दो छात्र रोज - हुलमन प्रौद्योगिकी संस्थान, अमेरिका से आईआईटी मंडी आये थे | 2014 सितंबर में संस्थान के Kamand परिसर में - आईआईटी मंडी और TU9, जर्मनी संयुक्त रूप से "उभरते अर्धचालक प्रौद्योगिकियों (2014 IECRAIETS) पर एक सहयोगी कार्यशाला का आयोजन किया। आईआईटी मंडी के स्नातक और पूर्वस्नातक छात्रों को पिछले एक साल में शैक्षिक आदान प्रदान के तहत कई यूरोपीय संघ के संस्थानों का दौरा किया है । इन यात्राओं में शामिल हैं: 12 छात्र TU9 और 1 जर्मनी में फ्रेडरिक अलेक्जेंडर विश्वविद्यालय एर्लंगेन - नुम्बेर्ग, 5 छात्रों ब्लेकिंगे इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी कार्लस्क्रोना, स्वीडन; और चीन के लिए भारत सरकार के युवा प्रतिनिधिमंडल के एक भाग के रूप में एक छात्र। इन छात्रों में से दो 2014 डी ए ए डी के लिहाज से छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया । इसके अलावा, एक पीएचडी के छात्रा ब्रिटेन के एक EXPERTS4Asia छात्रवृत्ति के साथ ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के लिए गयी थी।

इंडस्ट्रीज के साथ सहयोग

उद्योग बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी ने संयुक्त रूप से सीआईआई उत्तरी क्षेत्र के साथ मई 2014 में दिवित्य उद्योग एकेडेमिया सम्मेलन की मेजबानी की | लगभग 20 प्रतिभागी त्रीय और राष्ट्रीय उद्योगों से आये | इस सम्मेलन ने अनुसंधान एवं विकास में हमारे छात्रों के लिए प्लेसमेंट और इंटर्नशिप के अवसरों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी । इस वर्ष के दौरान, उद्योग द्वारा प्रायोजित एवं विकास Alndra, बंगलौर (चिकित्सा छवि प्रसंस्करण) और पर्ड्यू फार्मा, संयुक्त राज्य अमेरिका (दवा उद्योग में निर्णय लेने की) शामिल है। पर्ड्यू फार्मा के द्वारा एक परियोजना में 3 साल की अवधि के लिए करीब $100,000 वित्त घोषित है | संयुक्त राज्य अमेरिका

द्वारा प्रायोजित ($350,000) इंटेल परियोजना, अपने 3 साल में प्रवेश कर चुका है| अब, राज्य के कला परिणाम हासिल किया गया है और इंटेल के आगे धन विचार कर रहा है । इसके अलावा, पहला पेटेंट आईआईटी मंडी की ओर से दायर किया गया था: डॉ ओम प्रकाश सिंह और उनके छात्रों ने अपने आविष्कार डाई अवगत 3-डी प्रिंटिंग तकनीक का उपयोग सौर पैनलों के लिए सुरक्षा का दावा किया है।

कैम्पस विकास

वर्ष 2014-15 आईआईटी मंडी ने ६ साल पूरे किये और अपने नए परिसर पर कब्जा किया। आईआईटी मंडी पहलीई आईटी है जिसने यह उपलब्धि की । सभी बीटेक छात्रों और आधे से अधिक पीजी छात्रों, 35% प्रोफेसर, और कर्मचारियों कमांड में काम करते हैं। परिसर में कुछ खेल के मैदानों और कई कैंटीन के अलावा एक आवासीय आईआईटी के सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध है। अभी 20,000 वर्ग मीटर की जगह उपयोग में है। इसमें पुनर्निर्मित इमारतों, किफायती इंजीनियर LGSF भवनों,, और कुछ नियमित चिनाई इमारतों का एक मिश्रण हैं। अधिकांश छात्रों 2016 तक कमांड में शिफ्ट करने की उम्मीद कर रहे हैं। इसके साथ 90+ प्रोफेसर और 100+ कर्मचारियों का एक बड़ा अंश 2016 तक कमांड में शिफ्ट करने की उम्मीद कर रहे है। मुख्य रूप से 1,50,000 वर्ग मीटर की जगह का नॉर्थ कैंपस में निर्माण किया जा रहा है, और 2016-17 तक तैयार हो जाने की उम्मीद है। सम्मान और अपनी अनूठी हिमालय स्थान को संरक्षित करने के प्रयास में, संस्थान ने अपने परिसर में एक हर्बल गार्डन और बॉटनिकल गार्डन की स्थापना की है|